

ERNAKULAM NORTH STATION

997. Shri Velayudhan: Will the Minister of Railways be pleased to state:

(a) the time when the new construction of the North Station of the Ernakulam Town was started;

(b) the total estimate and expenditure for the same;

(c) the present stage of the construction; and

(d) the other constructions intended for the North Station?

The Deputy Minister of Railways and Transport (Shri Alagesan): (a) Presumably the Hon. Member is referring to the improvements that are being carried out to the existing Ernakulam North Station. These were started in March, 1955.

(b) The total estimate for these improvements is Rs. 1,09,066 and the expenditure booked so far is Rs. 42,000.

(c) Raising and covering of platforms have been completed while shelcreting of platform is in progress.

(d) Concreting of the areas under the covered way and outside it, totalling about 17000 sq. ft. are proposed to be taken up in 1957-58.

HINDI TELEGRAMS

998. Shri Shree Narayan Das: Will the Minister of Communications be pleased to state:

(a) whether complaints have been received that telegrams received in Hindi for those whose abbreviated addresses are registered in English are not being delivered; and

(b) if so, the reasons thereof?

The Minister in the Ministry of Communications (Shri Raj Bahadur): (a) Not quite.

(b) The question of permitting in Hindi telegrams the use of an abbreviated telegraph address registered in

English was duly considered. As the Phonetics of the two languages are basically different and as the same word of Indian origin is written in English in various ways it is difficult for the office of delivery receiving a telegram with an abbreviated address written in Hindi to trace its English equivalent. It was, in the circumstances, felt, that it would be impracticable in actual working to allow an abbreviated address registered in English to be used for Hindi telegrams unless it has been specifically registered in Hindi. In view of this difficulty it is necessary for the telegraph offices to maintain separate records in respect of English and Devanagari addresses, thus justifying the levy of separate and normal fees for each. If the same word is registered as an abbreviated address in English and Devanagari Script a concession in rate of fee chargeable for the Devanagari registration is allowed, so as to encourage the public to avail of the facility.

डाकियों का चुनाव

६६६. श्री एम० एन० सिंह : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि छोटी से छोटी पदाली अर्थात् डाकियों के स्थायी रिक्त स्थानों को भरने के लिये भी यूनिट के बाहर से लोगों को लाया जाता है जब कि उसी यूनिट में आवश्यक ग्रहंता रखने वाले अस्थायी व्यक्ति काम करते रहते हैं; और

(ख) क्या सरकार ऐसे रिक्त स्थानों को उसी यूनिट में काम करने वाले कम वेतन भोगी लोगों को देने के प्रस्ताव पर विचार करेगी ?

संचार मंत्रालय में मंत्री (श्री राज बहादुर):

(क) केवल उन्हीं व्यक्तियों को जो डाकियों की परीक्षा पास कर लेते हैं डाकियों के पद पर लगाया जाता है। डाकियों के संवर्ग (cadre) में ५० प्रतिशत पद बाहर के व्यक्तियों द्वारा भरे जाते हैं। बाकी के खाली स्थानों पर विभागीय कर्मचारी लगाये जाते हैं। यदि भर्ती के किसी यूनिट में पर्याप्त योग्य

व्यक्ति उपलब्ध न हों, तो अस्थायी अननुमत् (unapproved) व्यक्तियों के स्थान पर अन्य यूनिटों से योग्यता-प्राप्त उम्मीदवारों को लाया जाता है।

(ख) जी नहीं, क्योंकि पदोन्नति केवल उन्हीं व्यक्तियों में से की जाती है जिन्होंने डाकियों की परीक्षा में योग्यता प्राप्त की हो।

हिन्दी में तार

१०००. श्री अमर सिंह डामर : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि चालू वर्ष में कितने तारघरों में हिन्दी में तार भेजने की व्यवस्था करने का विचार है ?

संचार मंत्रालय में मंत्री (श्री राज बहादुर) :
२३१. (दो सौ इकत्तीस).

कृषि-सम्बन्धी पत्रिकायें

१००१. श्री अमर सिंह डामर : क्या खाद्य और कृषि मंत्री २१ दिसम्बर, १९५५ के अतारंकित प्रश्न संख्या ८२५-क के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) ये पत्रिकायें किन भाषाओं में प्रकाशित की जाती हैं ;

(ख) उनके प्रकाशन के मुख्य उद्देश्य क्या हैं और उनकी पूर्ति किस हद तक हो गयी है और ;

(ग) इन प्रकाशनों पर कितना वार्षिक व्यय होता है ?

कृषि मंत्री (डा० पी० एस० बेसमुख) :
(क) तथा (ग). एक विवरण, जिस में जानकारी दी गई है, नत्थी किया गया है [बेसिये परिशिष्ट ८, अनुबन्ध संख्या ४२]

(ख) नत्थी किये हुए विवरण के १ से ७ तक के मदों में उल्लिखित पत्रिकायें इंडियन काउंसिल आफ ऐग्रिकल्चरल रिसर्च द्वारा प्रकाशित की जाती हैं। इंडियन काउंसिल आफ ऐग्रिकल्चरल रिसर्च (Indian Council of Agricultural Research Of) एक वैज्ञानिक संगठन है इस लिये इस का एक काम भारतीय वैज्ञानिक कार्यकर्ताओं को उन में से द्वारा किये हुए अनुसन्धान कार्य के संबन्ध में वैज्ञानिक लेख प्रकाशनाथ उत्साहित करना

भी है। इंडियन ऐग्रिकल्चरल साइन्स तथा इंडियन वेटर्नरी साइन्स (Indian Agricultural Science and Indian Veterinary Science) पत्रिकाओं के प्रकाशन का उद्देश्य यह है कि ऐसी दो प्रामाणिक पत्रिकायें भारतीय वैज्ञानिक कार्यकर्ताओं को प्रस्तुत की जायें जहां वे अपने वैज्ञानिक लेख प्रकाशित कर सकें। ये पत्रिकायें इस उद्देश्य की सफलतापूर्वक पूर्ति कर रही हैं।

इसी प्रकार हार्टिकल्चर ऐबैस्ट्रैक्ट तथा राईस न्यूस लेटर (Horticultural Abstract and Rice News Letter) प्रकाशन का उद्देश्य है कि इन क्षेत्र में किये हुए काम की अन्तिम जानकारी वैज्ञानिक कार्यकर्ताओं को मौजूद की जाये। ये पत्रिकायें भी उस उद्देश्य की पूर्ति कर रही हैं। पुनः वैज्ञानिक संगठन होने के कारण आई० सी० ए० आर० के कर्तव्यों में से एक कर्तव्य केवल अनुसन्धान की जानकारी का ही नहीं बल्कि आम तौर पर कृषि और पशुचिकित्सा सम्बन्धी जानकारी का इकट्ठा करना और उसका प्रसार करना है आई० सी० ए० आर० तथा जिन समितियों द्वारा प्रकाशित एवं नत्थी किये हुए विवरण की क्रम संख्या ४ से ६ तक तथा ८ और ९ में उल्लिखित पत्रिकाओं का उद्देश्य अनुसन्धान के अन्तिम नतीजे लोकप्रिय भाषा में प्रसारित करने का है। यह मुमकिन नहीं कि इन के नतीजों का ठीक तौर पर पता लगाया जाये किन्तु इस बात को देखते हुए कि इन पत्रिकाओं की बहुत मांग है और समूह्य पत्रिकाओं के सम्बन्ध में हम भारी संख्या में पत्रिकाओं के ग्राहक बना सके हैं, यह कहा जा सकता है कि ये बहुत उपयोगी काम कर रही हैं।

बेरोजगारी

१००२. श्री अमर सिंह डामर : क्या अन्न मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य भारत में १९५४ में विभिन्न काम दिलाऊ दफ्तरों में अलग-अलग कितने प्रेजुएटों, अंडरप्रेजुएटों और मेट्रिक पास लोगों ने अपने नाम दर्ज कराये थे; और

(ख) उनमें कितनों को नौकरी दिलवाई गई ?